

क्रिया जाना है। अन्त में वादी श्री पन्नालाल  
मय अश्विक्का ने निवेदन किया कि इस वाद  
को विद्वो कर इसी आराली भूमिका नया  
वादपत्र नये प्रतिवादीगण ने विरुद्ध प्रस्तुत  
करने की स्वीकृति प्रदान करावे।

पचावली विद्वो प्रार्थना पत्र पर  
पर वदस एवं आदेश हेतु दिनांक 15<sup>6</sup>/<sub>2016</sub>  
को पेश होवे।

*[Signature]*

15<sup>6</sup>/<sub>2016</sub>

पचावली प्रस्तुत हुई वादी अश्विक्का तथा  
वादी श्री पन्नालाल उपस्थित। विद्वो प्रार्थनापत्र  
पर वादी अश्विक्का की वदस सुनी गई,  
जो कि विद्वो प्रार्थना-पत्र में वर्णित तथ्यों के  
अनुसूप ही रही। हमने पचावली तथा वादी  
पक्ष द्वारा प्रस्तुत विद्वो प्रार्थना-पत्र का अध्ययन  
किया। प्रार्थना-पत्र के अनुसार प्रकरण में वाद  
ग्रस्त भूमि परिसर विद्वो पत्र अन्य शक्तियों का  
अन्तर्गत हो चुकी है, अतः वादीगण परिवर्तित/  
नये शक्तियों। सदखातदारों के विरुद्ध नया वाद  
लाने का अधिकार सुरक्षित रखते हुए यह  
वादपत्र विद्वो करने की अनुमति-वाह्य है।  
वादी अश्विक्का की वदस तथा विद्वो प्रार्थनापत्र  
में वर्णित तथ्यों के आधार पर वादी अश्विक्का  
द्वारा प्रस्तुत यह विद्वो प्रार्थनापत्र न्यायोचित  
पाये जाने से स्वीकार किया जाता है तथा

आदेश क्रमांक 15<sup>6</sup>/<sub>2016</sub>

*[Signature]*

श्री प-नालाल बगैरहा विपक्षी श्री नाना

दमा श.वा. पत्रावली संख्या 20 सन् 2014

कार्यवाही विवरण	हस्ताक्षर पार्टी तथा सूचनाएं जारी की गई
-----------------	---

वाक्यगत भूमि के नये परिवर्तित सहायताकारों के विरुद्ध नया वाद पत्र उक्त करने का वादीगण का अधिकार सुरक्षित रखते हुए यह वादपत्र विद्वा करने की अनुमति दी जाती है।

पत्रावली फलल शुमार हाजर नम्बर से कम की जाकर दाखिल इफ्तार हो।  
निर्णय मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

*[Signature]*  
15/6/18

सहायक कलक्टर एवं उपखंड  
अधिकारी, कलकत्ता